भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4736

31 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

स्मार्ट सिटी मिशन की स्थिति

4736. श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन':

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत घोषित सभी सौ शहरों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इस मिशन के अंतर्गत बिहार के भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पटना और बिहार शरीफ में अब तक कितनी धनराशि स्वीकृत/जारी/व्यय की गई है;

(ग) क्या यह सच है कि सभी स्मार्ट शहर हवाई अड्डे की सुविधाओं से जुड़े हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उन स्मार्ट शहरों का ब्यौरा क्या है जो अभी भी हवाई अड्डे की सुविधाओं से नहीं जुड़े हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री कौशल किशोर)

(क): भारत सरकार ने 25 जून 2015 को स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) की शुरूआत की। जनवरी 2016 से जून 2018 तक प्रतियोगिता के 4 चरणों के माध्यम से 100 स्मार्ट शहरों का चयन किया गया है। 4 मार्च 2022 तक, भारत सरकार ने 100 स्मार्ट शहरों के लिए 29,213.60 करोड़ रू. जारी किए हैं, जिनमें से 25,177.65 करोड़ रू. (86%) का उपयोग किया जा चुका है। अब तक, 100 स्मार्ट शहरों ने 1,91,238 करोड़ रू. की लागत वाली 6,928 परियोजनाओं के लिए निविदा जारी की है; 1,65,503 करोड़ रू. की 6,282 परियोजनाओं के लिए कार्य आदेश जारी किए गए हैं; 59,958 करोड़ रू. की 3,576 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं।

(ख): एससीएम दिशा-निर्देशों के अनुसार, केन्द्र सरकार पांच वर्षों में 48,000 करोड़ रू. अर्थात प्रति वर्ष प्रति शहर औसतन 100 करोड़ रू. की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। राज्य सरकार/शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) द्वारा समान आधार पर इसी के बराबर राशि का योगदान किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा बिहार के स्मार्ट सिटीज को स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) के तहत जारी की गई धनराशि और स्मार्ट सिटीज द्वारा उसके उपयोग का ब्यौरा निम्नानुसार दिया गया है।

(राशि करोड़ रुपये में)

स्मार्ट सिटी	केंद्र सरकार द्वारा जारी निधि	स्मार्ट सिटीज द्वारा उसका उपयोग
भागलपुर	196.00	153.97
बिहार शरीफ	196.00	60.00
मुजफ्फरपुर	196.00	60.00
पटना	194.00	155.81
कुल	782.00	429.78

(स्रोत: दिनांक 04 मार्च, 2022 को एससीएम भू-स्थानिक प्रबंधन प्रणाली (जीएमआईएस) के अनुसार)

(ग) और (घ) : एससीएम का उद्देश्य ऐसे शहरों को बढ़ावा देना है जो स्मार्ट समाधानों के अनुप्रयोग के माध्यम से मुख्य अवसंरचना और अपने नागरिकों के लिए रहने योग्य श्रेष्ठ जीवन, स्वच्छ व सुस्थिर वातावरण प्रदान करते हैं। इनका लक्ष्य सतत और समावेशी विकास पर है और इनका मन्तव्य ऐसे सघन क्षेत्रों को खोज कर उनका प्रतिकृति मॉडल बनाना है जो उसी शहर/अन्य महत्वाकांक्षी शहरों के दूसरे क्षेत्रों के लिए दिशासूचक का कार्य करेगा। प्रत्येक शहर का स्मार्ट सिटी प्रस्ताव (एससीपी) नागरिकों के व्यापक मेल-जोल के माध्यम से तैयार किया गया है। चूंकि अलग-अलग शहरों में नागरिकों की जरूरतें और आकांक्षाएं अलग-अलग होती हैं, इसलिए ऐसे स्मार्ट सिटी प्रस्तावों (एससीपी) में निहित प्राथमिकताएं और परियोजनाएं एक शहर से दूसरे शहर में अलग-अलग होती हैं। विमानपत्तनों के माध्यम से कनेक्टिविटी की उपलब्धता सुनिश्चित करना एससीएम के उद्देश्यों के अंतर्गत परिकल्पित नहीं था।

****